

## अध्याय ८

### सूचकांक या निर्देशांक

परिभाषा: सूचकांक एह ऐसी सांख्यिकी माप है जो समय, स्थान या अन्य विशेषता के आधार पर किसी पर आय मूल्यों के समय में होने वाले परिवर्तनो को प्रदर्शित करता है।

#### विशेषताएँ

१. परिवर्तनों का सापेक्ष माप
२. संख्यात्मक रूप में
३. औसत

#### सूचकांको के लाभ

१. कीमत स्तर में परिवर्तन
२. जीवन स्तर परिवर्तन का ज्ञान
३. वेतन तथा भत्तो में समन्वय
४. व्यापारी वर्ग के लिए उपयोगी
५. अपादन के बारे में जानकारी

#### सूचकांको की सीमाएं

१. पूर्ण सत्य नहीं
२. अन्तर्राष्ट्रीय तुलनासम्भव नहीं
३. समय का अंतर
४. सीमित उपयोग
५. भार देने का दोष

#### सूचकांकों के प्रकार

१. साधारण सूचकांक
२. भारित सूचकांक

सूत्र .....

- १) लास्पीयर की विधि –

२) पाश्चे की विधि सूत्र .....

३) धिशर का सूचकांक सूत्र .....

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की रचना

१) उपभोक्ता वर्ग का चुनाव

२) परिवारिक बजर की जानकारी

३) आधार वर्ग का चुनाव

४) कीमता की जानकारी

उपभोक्ता कीमत सूचकांक बनाने की विधियां

१) समूहीकृत ..... विधि

२) पारिवारिक ..... विधि

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का महत्व

१. मूल्य नारी का निर्धारण

२. मजदूरी समायोजन

३. वास्तविक मूल्यों का माप

४. बाजारो का विश्लेषण

औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक की रचना

१. उद्योगों का वर्गीकरण

२. खनन

३. बिनिर्माण

४. बिजली

सूत्र .....

प्रश्नोत्तर

१. सूचकांक क्या है? (१)

सूचकांक एक ऐसा सांख्यिकीमाप है जो समय, स्थान या अन्य विशेषता के आधार पर किसी पर मे होने वाले परिवर्तनों का प्रदर्शित करता है।

२. सूचकांको की प्रमुख विशेषताए बताइए। (३ अंक)

१) परिवर्तनो के सापेक्ष माप

२) संख्यात्मक रूप में व्यक्त

३) औसत

नोट अन्य प्रश्नोत्तर तथा गणना भाग स्वयं करें।